

जिसमें लकड़ी के दस्ते या लट्ठ में आगे की ओर चार-पाँच मोटी सुइयाँ रहती हैं।

चोम पुं. (देश.) 1. जोश, उत्साह 2. गर्व, घमंड, अभिमान।

चोरंगा वि. (तद्.) चार रंगों का, सुंदर।

चोर पुं. (तत्.) 1. छिपकर दूसरे की वस्तु का अपहरण करने वाला, चोरी करने वाला, तस्कर 2. मोह लेने वाला 3. उचित से कम काम करने वाला 4. बेईमान 5. जो मन का भाव प्रकट न होने दे मुहा. चोर की दाढ़ी में तिनका- सशंकित रहना; चोर के पाँव कितने- हिम्मत कम होना; चोर-चोर मौसेरे भाई- बुरे लोगों में स्नेह सहयोग होना वि. जिसके वास्तविक स्वरूप का ऊपर से देखने से पता न चले।

चोर उरद पुं. (देश.) उरद का वह कड़ा दाना जो न तो चक्की में पिसता है और न गलाने से गलता है।

चोरक पुं. (तत्.) एक प्रकार का गंध द्रव्य जिसका व्यवहार औषधियों में होता है।

चोर कट पुं. (देश.) चोर, उचक्का, चोट्टा।

चोर खाना पुं. (देश.) संदूक, अलमारी का छिपा खाना।

चोर खिड़की स्त्री. (देश.) छोटा चोर दरवाजा।

चोर गणेश पुं. (तत्.) तांत्रिकों के एक गणेश।

चोर गली स्त्री. (देश.) 1. संकरी गली जिसका पता कुछ ही लोगों को हो 2. पाजामे की मियानी।

चोरटा पुं. (देश.) दे. चोट्टा।

चोर ताला पुं. (देश.) वह ताला जिसका पता दूर से या ऊपर से न लगे, किवाड़ के अंदर लगा हुआ गुप्त ताला।

चोर थन वि. (देश.) दूहते समय दूध चुरा रखने वाली (गौ, भैंस या बकरी)।

चोर दंत पुं. (देश.) वह दाँत जो बत्तीस दाँतों के अतिरिक्त निकलता है और निकलने के समय बहुत कष्ट देता है।

चोर दरवाजा पुं. (देश.) मकान के पिछवाड़े का गुप्त द्वार जिसका पता कुछ ही लोगों को हो।

चोरपेट पुं. (देश.) 1. वह पेट जिसमें गर्भ का पता जल्दी न लगे 2. किसी चीज के मध्य में गुप्त स्थान जिसमें रखी चीज प्रकट न हो 3. जिसकी खुराक तगड़ी हो, किंतु पेट छोटा हो।

चोर बत्ती स्त्री. (देश.) बिजली की एक प्रकार की बत्ती जो बटन दबाकर जलाई जाती है, टॉर्च।

चोर बाजार पुं. (देश.) जहाँ अवैध व्यापार होता हो, चोरी से चीजें बिकती हों।

चोर बाजारी स्त्री. (देश.) चोर बाजार का व्यापार, जहाँ चोरी से नायायज तरीके से माल बेचा, खरीदा जाए।

चोर महल पुं. (देश.) वह महल जिसमें किसी राजा या रईस की प्रेमिका रहे।

चोर सीढ़ी स्त्री. (देश.) वह सीढ़ी जिसका पता जल्दी न लगे, गुप्त सीढ़ी।

चोर हटिया पुं. (देश.) चोरों से माल खरीदने वाला दुकानदार।

चोरा स्त्री. (तत्.) चोर पुष्पी, शंखा हुली।

चोरा चोरी क्रि.वि. (देश.) छिपे-छिपे, चुपके-चुपके।

चोराना स.क्रि. (देश.) दे. चुराना।

चोरिका स्त्री. (तत्.) चुराने का काम, चोरी।

चोरित वि. (तत्.) चुराया हुआ।

चोरी स्त्री. (देश.) 1. छिपकर दूसरे की वस्तु लेने का काम, चुराने की क्रिया 2. चुराने का भाव मुहा. चोरी-चोरी- छिपाकर, गुप्त रूप से; चोरी लगाना- चोरी का अभियोग लगाना।

चोलंडुक पुं. (देश.) पगड़ी।

चोल पुं. (तत्.) 1. एक प्राचीन देश का नाम, आधुनिक तंजौर 2. उक्त देश का निवासी 3. स्त्रियों के पहनने की एक प्रकार की अंगिया, चोली 5. कुरते के ढंग का एक प्रकार का लंबा पहनावा जिसे चोला कहते हैं 5. मजीठ 6. छाल, वल्कल 7. कवच वि. मजीठ का रंग, लाल